९. विशेषण

विशेषण यानि विशेष बात। विशेषण किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान सभी चीज़ों की विशेषता बताते हैं। जो शब्द संज्ञा शब्द के बारे में बताता है कि वह कैसा और कितना है, वह विशेषण कहलाता है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को बताएँ कि विशेषण गुण-दोष, संख्या, मात्रा, रंग, स्वाद आदि सब के बारे में बताते हैं।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिए चित्र को दिखाकर उसमें से विशेषण ढूँढ़ने को कहें। फिर वाक्य पढ़ें और बच्चों को विशेषण शब्द बताएँ।
- ❖ कक्षा या विद्यालय से जुड़ी वस्तुओं, व्यक्तियों आदि की कुछ विशेष बात बताने को कहें। जैसे– विद्यालय का बगीचा कैसा है? कक्षा का बोर्ड कैसा है? दीवारों पर कैसा रंग है? अथवा विद्यालय की यूनिफॉर्म का रंग कैसा है? आदि प्रश्न पूछकर बच्चों की रोचकता को बनाए रखने के साथ-साथ उनकी स्वयं अवलोकन करके उत्तर देने की क्षमता को बढ़ाएँ।
- ❖ बातचीत द्वारा विशेषण समझाने का प्रयास करें, जैसे– आपको खाने में क्या-क्या पसंद है तथा क्यों? बच्चे उत्तर देते हुए उन वस्तुओं की विशेषता बताएँगे। इस प्रकार विशेषण सरलता से समझाए जा सकते हैं।
- ❖ सुनिश्चित करें कि बच्चे आपकी बात को भली-भाँति समझ पा रहे हैं।
- ❖ पाठ में दिए विशेषण शब्दों को जोर-जोर से पढ़वाएँ।
- ❖ प्रत्येक बच्चे को पढ़ने का अवसर दें।
- ❖ पाठ अभ्यास करवाएँ, यथासंभव सहायता भी करें।